न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़ (राज.)

परिवाद संख्याः– 87/2024
तारीख दायरः– 14.10.2024
पीठासीन अधिकारीः– विजयेश कुमार पण्ड्या, आर.ए.एस

खाद्य सुरक्षा अधिकारी जरिये
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्रतापगढ़

–प्रार्थी

बनाम

श्री अभिषेक कोरिया पुत्र श्री महेन्द्र कोरिया, मैसर्स कोरिया रायचंद अमृतलाल, इण्डस्ट्रियल एरिया बगवास, प्रतापगढ़

– अप्रार्थी

:–आदेश–:

दिनांक 18/06/2025

शासन उपसचिव कार्मिक विभाग राजस्थान सरकार द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक प1 (2)कार्मिक/क–4/08 दिनांक 05.04.2012 के द्वारा खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 की धारा 68 की उपधारा 1 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिलों में कार्यरत अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेटों का खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत उनके अधीनस्थ कार्यक्षेत्र के लिए न्याय निर्णयन अधिकारी नियुक्त किए जाने के फलस्वरूप खाद्य सुरक्षा अधिकारी कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रतापगढ़ ने अप्रार्थी के विरूद्व एक परिवाद इस आशय का प्रस्तुत किया कि अप्रार्थी ने सबस्टेण्डर्ड हींग युक्त जीरावन का विक्रय करके खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उपधारा 2(II) का उल्लंघन किया है। जिसके फलस्वरूप खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 51 में निर्धारित है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने परिवाद के साथ न्याय निर्णय आवेदन, गजट नोटीफिकेशन की प्रति, कार्यक्षेत्र नोटीफिकेशन की प्रति, माल खरीद की प्रति, बिल असल, फार्म नं. 5 ए असल, फर्द रिपोर्ट असल, खाद्य विशलेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाडा द्वारा फार्म नं. 6 की प्राप्ति रसीद एवं नमूना मय फार्म नं0 6 की प्राप्ति रसीद प्रस्तुत की है। अभिहित अधिकारी द्वारा खाद्य नमूना के तीनों भागों की फार्म नं0 6 की पुश्त पर प्राप्ति रसीद, खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाडा की नमूना जॉच रिपोर्ट मय कार्यालय पत्र विक्रेता द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र ,प्रार्थना पत्र मय पहचान पत्र तथा अभिहित अधिकारी द्वारा पत्रावली [illegible] तथा आवेदन फाईल करने बाबत लिखा गया पत्र की प्रति प्रस्तुत की गई।

न्यायालय हाजा में प्रस्तुत परिवाद के अनुसार दि. 22.05.2024 को 2.00 पी.एम. पर प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी मैसर्स कोरिया [illegible] इण्डस्ट्रीयल एरिया बगवास प्रतापगढ़ पहुंचा। वहां हींग युक्त जीरावन के 100 पैकेट 200 ग्राम के पैक अवस्था में रखे थे। वहां पर श्री अभिषेक कोरिया पुत्र श्री महेन्द्र कोरिया उपस्थित थे। श्री अभिषेक कोरिया को परिवादी खाद्य सुरक्षा

Signature Not Verified
Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़

अधिकारी ने अपना परिचय दिया। विक्रेता से पुछने पर उक्त संस्थान का मालिक स्वयं को होना बताया। वास्ते निरीक्षणार्थ खाद्य प्रदार्थ विक्रय अनुज्ञापत्र/रजिस्ट्रेशन दिखाने को कहा जिस पर उक्त विक्रेता ने खाद्य अनुज्ञा पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा 200 ग्राम के 8 पैकेट हींग युक्त जीरावन के खरीदे जिसकी कीमत 400 रू विक्रेता को नगद देकर रसीद प्राप्त की जिस पर विक्रेता एवं गवाहान के हस्ताक्षर है।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मौके पर फार्म सं. 5ए की प्रतियां एवं फर्द रिपोर्ट तैयार कर विक्रेता एवं गवाहान को पढ़कर, सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा जिसे सभी ने पढ़कर, समझकर हस्ताक्षर किये। फार्म संख्या 5ए की एक प्रति विक्रेता को देकर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है।

उक्त खरीदशुदा हींग युक्त जीरावन के पैकेट पर लेबल तैयार कर प्रत्येक पैकेट पर चिपकाये और लेबलों पर अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रतापगढ़ के कोड क्रमांक वाई 2189 दर्ज किया। प्रत्येक लेबल पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी, गवाहान एवं विक्रेता ने हस्ताक्षर किये। चारो नमूना भागों को अलग–अलग खाकी कागज में लपेट कर प्रत्येक भाग पर अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रतापगढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप न. वाई 2189 नियमानुसार चारों नमूना जारों पर नीचे से उपर तक गोलाई मे गोंद से चिपकाकर प्रत्येक भाग को धागे से बांध कर नियमानुसार सील चपडी किया। प्रत्येक नमूना भाग पर विक्रेता के हस्ताक्षर इस प्रकार करवाये कि पेपर स्लिप व रेपर दोनो पर आवें। चारो नमूना भागों पर नियमानुसार गवाहान के हस्ताक्षर करवाकर स्वयं खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने तस्दीक कर हस्ताक्षर किये तथा चारों नमूना भागों को अपने जाप्ते में लिया।

कार्यालय पहुँच कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने फार्म नं. 6 की प्रतियां तैयार की प्रत्येक पर नमूना सील लगाई जिससे नमूना सील किया गया था । एक नमूना भाग मय फार्म संख्या 6 की प्रति के आउटर कवर में सीलबन्द कर सील मोहर कर खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाडा को जमा करवाकर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। दो फार्म सं. 6 की प्रति अलग से एक लिफाफे में बन्द कर चपडी से सील मोहर कर खाद्य विश्लेषक बांसवाडा को जमा कराकर फार्म सं. 6 की पुस्त पर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। शेष दो सील बन्द नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की दो प्रतियों के आउटर कवर में सीलबन्द कर तथा चौथा भाग अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रतापगढ़ को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न हैं।

Signature Not Verified
Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने परिवाद में यह भी उल्लेख किया है कि अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के अग्रेषण पत्र द्वारा उनको मालूम हुआ कि उनके द्वारा लिया गया खाद्य पदार्थ हींग युक्त जीरावन का नमूना सबस्टेण्डर्ड होना पाया गया है ।

न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ

अभिहित अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्रतापगढ़ द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी को प्रकरण तैयार कर अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु प्राधिकृत किया गया । इस आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने समुचित कार्यवाही किये जाने का परिवाद प्रस्तुत किया ।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण प्रस्तुत करने पर , प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी श्री अभिषेक कोरिया को अपना पक्ष स्वयं अथवा उनके प्रतिनिधि के द्वारा प्रस्तुत करने हेतु विधिवत सूचना पत्र जारी किया गया ।

अप्रार्थी अभियुक्त को उसके खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा पेश किये गये परिवाद में वर्णित तथ्यों को पढ़कर अवगत कराया गया । अप्रार्थी अभियुक्त ने अपने लिखित तर्क में बताया कि खाद्य विश्लेषक के द्वारा खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम (खाद्य उत्पाद मानक और खाद्य सहयोज्य) विनियम 2011 के विनियम 2.9.20.2 के अन्तर्गत मिश्रित गरम मसाला पाउडर की जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत की है। हींग युक्त जीरावन गरम मसाला पाउडर के अन्तर्गत नहीं आता है। जिसका स्पष्ट उल्लेख खाद्य कारोबारकर्ता ने अपने उत्पाद पर स्पष्ट अंकित किया है। अतः प्रकरण की कार्यवाही निरस्त करने का निवेदन किया।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया अप्रार्थी द्वारा प्रस्तुत लिखित तर्क का एवं पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजो का गहन अध्ययन किया। उपरोक्त विवेचन की रोशनी में ज्ञात आया कि हींग युक्त जीरावन गरम मसाला पाउडर की श्रेणी में नही आता है। ऐसी स्थिति में अप्रार्थी के विरूद्ध चल रही प्रकरण की कार्यवाही ड्रॉप की जाती है।

निर्णय आज दिनांक 18.06.2025 को लिखाया जाकर सरे न्यायालय सुनाया गया ।

(विजयेश कुमार पण्ड्या)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट , प्रतापगढ़

दिनांक 18.06.2025

क्रमांक / रीडर / 2025 /

प्रतिलिपि :– निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है ।

1. खाद्य सुरक्षा आयुक्त एवं निदेशक, (जन स्वास्थ्य) चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं ,जयपुर ।
2. अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्रतापगढ़ ।

(विजयेश कुमार पण्ड्या)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट , प्रतापगढ़

Signature Not Verified
Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़ (राज.)

परिवाद संख्या 104/2024
तारीख दायर 09.12.2024
पीठासीन अधिकारीः–विजयेश कुमार पण्ड्या, आरएएस

श्री सरकार जरिये खाद्य सुरक्षा अधिकारी
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,प्रतापगढ़

–प्रार्थी

बनाम

श्री धर्मेन्द्र जैन पुत्र श्री मांगीलाल, मैसर्स धर्मेन्द्र कुमार मांगीलाल किराणा, सलूम्बर रोड, धरियावद

– अप्रार्थी

:–आदेश–:

दिनांक 20/05/2025

शासन उपसचिव कार्मिक विभाग राजस्थान सरकार द्वारा जारी अधिसूचना कमांक प1 (2)कार्मिक/क–4/08 दिनांक 05.04.2012 के द्वारा खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 की धारा 68 की उपधारा 1 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिलों में कार्यरत अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेटों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत उनके अधीनस्थ कार्यक्षेत्र के लिए न्याय निर्णयन अधिकारी नियुक्त किए जाने के फलस्वरूप खाद्य सुरक्षा अधिकारी कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रतापगढ़ ने अप्रार्थीगण के विरूद्व एक परिवाद इस आशय का प्रस्तुत किया कि अप्रार्थी ने सब स्टेण्डर्ड घी (श्री रतनागिरी) का विकय करके खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उपधारा 2(।।) का उल्लंघन किया है। जिसके फलस्वरूप खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 51 में निर्धारित है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने परिवाद के साथ न्याय निर्णय आवेदन, गजट नोटीफिकेशन की प्रति, कार्यक्षेत्र नोटीफिकेशन की प्रति, माल खरीद की प्रति, बिल असल, फार्म नं. 5 ए असल, फर्द रिपोर्ट असल, खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाडा द्वारा फार्म नं. 6 की प्राप्ति रसीद एवं नमूना मय फार्म नं0 6 की प्राप्ति रसीद, अभिहित अधिकारी द्वारा खाद्य नमूना के तीनों भागों की फार्म नं0 6 की पुश्त पर प्राप्ति रसीद, खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाडा की नमूना जॉच रिपोर्ट मय [illegible] तथा अभिहित अधिकारी द्वारा पत्रावली पेश करने तथा आवेदन फाईल, कार्य बाधा लिखा [illegible] पत्र की प्रति प्रस्तुत की गई।

न्यायालय हाजा में प्रस्तुत परिवाद के अनुसार दिनांक 18.09.2024 को 2.00 पी.एम. पर प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी, मै0 धर्मेन्द कुमार मांगीलाल किराणा, सलूम्बर रोड, धरियावद पहुंचा, वहां पर घी (श्री रतनागिरी) 8 लीटर 800 एम एल पैक पैकेट रखे थे। उस समय मौके पर विक्रेता की हैसियत से जो व्यक्ति उपस्थित हुआ उसने अपना नाम धर्मेन्द जैन पुत्र श्री मांगीलाल

Signature Not Verified
Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

बताया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विक्रेता से खाद्य अनुज्ञापत्र मांगा गया जो विक्रेता के पास मौके पर उपलब्ध था। पैक अवस्था में रखे घी (श्री रतनागिरी) पर शक होने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विक्रेता को प्रपत्र 5 भरकर दिया गया और बताया गया कि उक्त का एफएसएसए के तहत सेम्पल लिया जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा उक्त घी (श्री रतनागिरी) पैकेट में से 4 पैक पैकेट वास्ते नमूना जॉच हेतु खरीदा जिसकी कीमत विक्रेता को 1200/–रू नगद देकर रसीद प्राप्त की जिस पर विक्रेता व गवाहान व खाद्य सुरक्षा अधिकारी के हस्ताक्षर है।

यह कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मौके पर फार्म सं. 5ए की प्रतियां एवं फर्द रिपोर्ट तैयार कर विक्रेता एवं गवाहान को पढ़कर, सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने खरीदशुदा 4 सील्ड पैकिट घी (श्री रतनागिरी) 500 एम एल पर लेबल तैयार कर प्रत्येक पैकिट पर एक–एक कर चिपकाये जिस पर डी.ओ. के कोड क्रमांक वाई–2269 दर्ज कर प्रत्यैक लेबल पर अन्य विवरण अंकित कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ,गवाह एवं विक्रेता के हस्ताक्षर कराते हुए प्रत्येक नमूना डिब्बो पर लेबल चिपकाने सम्बन्धी कार्यवाही करने के बाद प्रत्येक डिब्बों को अलग अलग खाकी कागज में लपेट कर सिरों को गोंद से चिपकाया गया । चारो नमूना जारों पर डी.ओ. के कोड क्रमांक वाई–2269 दर्ज कर प्रत्यैक लेबल पर अन्य विवरण अंकित कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं गवाह ने हस्ताक्षर किये , विक्रेता ने पेपर स्लिप व खाकी कागज कॉस करते हुए अपने हस्ताक्षर किये । नियमानुसार नमूना लेकर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने लिये गये चारों नमूनों को अपने जाप्ते में लिया ।

कार्यालय पहुँच कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने फार्म नं. 6 की प्रतियां तैयार की तथा प्रत्येक पर वह नमूना सिल लगाई जिससे नमूना सिल की थी। एक नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की प्रति के आउटर कवर में सील्डबन्द कर सील्ड मोहर कर खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाडा को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। दो फार्म सं.6 की प्रति अलग से एक लिफाफे में बन्द कर चपडी से सील्ड मोहर कर खाद्य विश्लेषक बांसवाडा को जमा कराकर फार्म सं. [illegible] पर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। [illegible] सील्ड बन्द [illegible] भाग मय फार्म सं. 6 की दो प्रतियों के आउटर कवर में सील्ड [illegible] चौथा भाग अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला प्रतापगढ [illegible] जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

यह कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पत्र द्वारा ज्ञात हुआ कि खाद्य विश्लेषक बांसवाडा से प्राप्त जांच रिपोर्ट अनुसार विक्रेता द्वारा वास्ते नमूना जाँच विक्रय किया गया खाद्य पदार्थ घी (श्री रतनागिरी) सब स्टैण्डर्ड होना पाया गया। उक्त क्रम में फर्म के मालिक को फर्म सम्बन्धित कागजात की छायाप्रति प्रस्तुत करने हेतु खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सूचना दी गई। फर्म के मालिक द्वारा लायसेंस की छाया प्रति प्रस्तुत की।

अभिहित अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्रतापगढ़ द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी को प्रकरण तैयार कर अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु प्राधिकृत किया गया । इस आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने समुचित कार्यवाही किये जाने का परिवाद प्रस्तुत किया ।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण प्रस्तुत करने पर , प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी श्री धर्मेन्द्र जैन को अपना पक्ष स्वयं अथवा उनके प्रतिनिधि के द्वारा प्रस्तुत करने हेतु विधिवत सूचना पत्र जारी किया गया । अप्रार्थी अभियुक्त उपस्थित तथा प्रकरण में जवाब देने से मना किया। साथ ही प्रकरण में न्यूनतम जुर्माना किये जाने का मौखिक निवेदन किया।

परिवाद में वर्णित तथ्यों एवं खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला बांसवाडा से प्राप्त जांच रिपोर्ट संख्या पीएच लेब/बांस/एक्ट/2024/1092 दिनांक 01.10.2024 के अनुसार अप्रार्थी अभियुक्त द्वारा अपनी दुकान से बेचा जा रहा घी (श्री रतनागिरी) का नमूना जांच रिपोर्ट में सब स्टेण्डर्ड होना पाया गया है।

अतः खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 की धारा 26 की उपधारा 2(।।) का उल्लंघन करने एवं अपराध कारित होने के फलस्वरूप उक्त अधिनियम की धारा 51 के अन्तर्गत अप्रार्थी पर 10000/ रू अक्षरे दस हजार रू शास्ति आरोपित की जाती है। अभियुक्त उपरोक्त शास्ति की राशि न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ के नाम जरिये डी0डी0/नगद न्यायालय में अथवा जरिये चालान से [illegible] निर्णय दिनांक 20.05.2025 से एक माह के अन्दर अन्दर जमा कराकर [illegible] प्रस्तुत [illegible]

Signature Not Verified
Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

निर्णय आज दिनांक 20.05.2025 को लिखाया जाकर सरे इजलास सुनाया गया ।

(विजयेश कुमार पण्ड्या)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़

क्रमांक / रीडर / 2025 / दिनांक 20.05.2025

प्रतिलिपि :— निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है ।

1. खाद्य सुरक्षा आयुक्त एवं निदेशक, (जन स्वास्थ्य) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं ,जयपुर ।
2. अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्रतापगढ़ ।
3. श्री धर्मेन्द्र जैन पुत्र श्री मांगीलाल, मैसर्स धर्मेन्द्र कुमार मांगीलाल किराणा, सलूम्बर रोड, धरियावद

(विजयेश कुमार पण्ड्या)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़

Signature Not Verified

Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़ (राज.)

परिवाद संख्या 41/2025
तारीख दायरः–18.06.2025
पीठासीन अधिकारीः–विजयेश कुमार पण्ड्या, आर.ए.एस

खाद्य सुरक्षा अधिकारी
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,प्रतापगढ़ –प्रार्थी

बनाम

श्री लक्षित जैन पुत्र श्री नेमीचन्द, मैसर्स मुकेश कुमार चिमनलाल नया बोरिया

– अप्रार्थी

:–आदेश–:

दिनांक 07/10/2025

शासन उपसचिव कार्मिक विभाग राजस्थान सरकार द्वारा जारी अधिसूचना कमांक प1 (2)कार्मिक/क–4/08 दिनांक 05.04.2012 के द्वारा खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 की धारा 68 की उपधारा 1 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिलों में कार्यरत अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेटों का खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत उनके अधीनस्थ कार्यक्षेत्र के लिए न्याय निर्णयन अधिकारी नियुक्त किए जाने के फलस्वरूप खाद्य सुरक्षा अधिकारी कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रतापगढ़ ने अप्रार्थी के विरूद्व एक परिवाद इस आशय का प्रस्तुत किया कि अप्रार्थी ने सब स्टेण्डर्ड बेसन का विकय करके खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उपधारा 2 (ii) का उल्लंघन किया है। जिसके फलस्वरूप खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 51 में निर्धारित है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने परिवाद के साथ न्याय निर्णय आवेदन, गजट नोटीफिकेशन की प्रति, कार्यक्षेत्र नोटीफिकेशन की प्रति, माल खरीद की प्रति, बिल असल, फार्म नं. 5 ए असल, फर्द रिपोर्ट असल, खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाडा द्वारा फार्म नं. 6 की प्राप्ति रसीद एवं नमूना मय फार्म नं0 6 की प्राप्ति रसीद, अभिहित अधिकारी द्वारा खाद्य नमूना के तीनों भागों की फार्म नं0 6 की पुश्त पर प्राप्ति रसीद, खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाडा की नमूना जॉच रिपोर्ट मय कार्यालय पत्र तथा अभिहित अधिकारी द्वारा नियमावली पेश करने तथा आवेदन फाईल करने बाबत लिखा गया पत्र की प्रति प्रस्तुत की गई।

Signature Not Verified
Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

न्यायालय हाजा में प्रस्तुत परिवाद के अनुसार दिनांक 23.12.2024 को 4.30 पी.एम. पर प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी मै0 मुकेश कुमार चिमनलाल नया बोरिया पहुंचा वहां पर एक रेक में 10 पैक पैकेट बेसन (श्री गणेश) रखे थे। उस समय मौके पर विक्रेता की हैसियत से जो व्यक्ति

उपस्थित हुआ उसे खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने अपना परिचय दिया व उसका परिचय लिया। विक्रेता ने अपना नाम लक्षित जैन पुत्र नेमीचन्द बताया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विक्रेता से खाद्य पदार्थ अनुज्ञा पत्र मांगा गया जो विक्रेता के पास मौके पर उपलब्ध था। पैक अवस्था में रखे बेसन (श्री गणेश) पर शक होने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने विक्रेता को प्रपत्र 5 अ भरकर दिया और बताया गया कि उक्त का एफएसएसए के तहत सैम्पल लिया जा रहा हूं। जिसकी प्रति न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा उक्त पैक बेसन (श्री गणेश) के 4 पैकेट पैक अवस्था में वास्ते नमूना जॉच हेतु खरीदी जिसकी कीमत विक्रेता को 260/—रू नगद देकर रसीद प्राप्त की जिस पर विक्रेता, गवाहान के हस्ताक्षर करवाये एवं तस्दीक कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने भी हस्ताक्षर किये।

यह कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मौके पर फार्म सं. 5 ए की प्रतियां एवं फर्द रिपोर्ट तैयार कर विक्रेता एवं गवाहान को पढ़कर, सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा जिसे श्री विक्रेता ने समझकर हस्ताक्षर किये। फार्म सं. 5 ए की एक प्रति विक्रेता को देकर रसीद प्राप्त की। यह कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने खरीदशुदा बेसन को पैक पैकेट पर विक्रेता एवं गवाहान के सामने लेबल तैयार कर प्रत्येक पैकेट पर चिपकाये और लेबल पर डीओ के कोड क्रमांक, दिनांक व स्थान दर्ज किया। प्रत्येक लेबल पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने हस्ताक्षर कर विक्रेता एवं गवाहान के हस्ताक्षर करवाये। चारों नमूना भागों को अलग—अलग 2 भूरे कागज में लपेट कर प्रत्येक भाग पर डीओ प्रतापगढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप नं. वाई 2358 चिपकाई। नियमानुसार चारों नमूना डिब्बो पर नीचे से उपर तक गोलाई में गोंद से चिपकाकर प्रत्येक भाग को धागे से बांध कर नियमानुसार सील चपडी किया। प्रत्येक नमूना भाग पर विक्रेता एवं मालिक के हस्ताक्षर नियमानुसार पेपर स्लिप व रेपर पर होते हुए करवाये, गवाह के हस्ताक्षर करवाये। चारों नमूना के रेपर पर कोड नम्बर, सिरियल नम्बर, वस्तु का नाम, दिनांक व स्थान अंकित कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने अपने हस्ताक्षर कर चारों नमूना भागों को उनके जाप्ते में लिया।

कार्यालय पहुँच कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने फार्म नं. 6 की प्रतियां तैयार की प्रत्येक पर नमूना सिल लगाई जिससे नमूना सिल किया गया [illegible] फार्म संख्या 6 की प्रति अलग से एक लिफाफे में बन्द कर चपडी से सील मोहर कर खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाडा को देकर रसीद प्राप्त की । 2 नमूना मय फार्म संख्या 6 की प्रति के आउटर कवर में सीलबन्द कर सील मोहर कर खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाडा को जमा करा कर रसीद प्राप्त की । शेष 2 सील बंद नमूना भाग मय फार्म नं. 6 की प्रति आउटर कवर में सील बंद कर

Signature Not Verified
Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रतापगढ को खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा जमा करवाये जाने का उल्लेख किया गया है। जिनकी प्राप्ति रसीद फार्म नं0 6 की पुश्त पर है ।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने परिवाद में यह भी उल्लेख किया है कि अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के अग्रेषण पत्र द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी को मालूम हुआ कि उनके द्वारा लिया गया बेसन का नमूना सब स्टेण्डर्ड पाया गया है । अभिहित अधिकारी द्वारा विकेता को फर्म से सम्बन्धित कागजात की छायाप्रति प्रस्तुत करने को कहा गया। इस क्रम में मालिक द्वारा फूड लायसेंस की प्रति प्रस्तुत की।

अभिहित अधिकारी,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्रतापगढ द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी को प्रकरण तैयार कर अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु प्राधिकृत किया गया । इस आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने समुचित कार्यवाही किये जाने का परिवाद प्रस्तुत किया ।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण प्रस्तुत करने पर , प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को अपना पक्ष स्वयं अथवा उनके प्रतिनिधि के द्वारा प्रस्तुत करने हेतु विधिवत सूचना पत्र जारी किया गया । अप्रार्थी उपस्थित एवं जवाब देने से मना किया।

परिवाद में वर्णित तथ्यों एवं इसके साथ संलग्न दस्तावेजात तथा खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाडा से प्राप्त जांच रिपोर्ट संख्या पीएच लेब/बांसवाडा/एक्ट /2025/08 दिनांक 03.01.2025 के अनुसार अप्रार्थी अभियुक्त द्वारा अपनी दुकान से बेचा जा रहा बेसन का नमूना जांच रिपोर्ट में सब स्टेण्डर्ड पाया गया है , जिसके लिये अभियुक्त अप्रार्थी दोषी प्रतीत होता है ।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अप्रार्थी अभियुक्त द्वारा खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 और विनियम 2011 की धारा 26 की उपधारा 2(ii) के तहत अमानक पदार्थ बेचने का दोषी है जिसके लिये उपरोक्त अधिनियम की धारा 51 में अवमानक पदार्थ पाये जाने पर शास्ति आरोपित किये जाने का [illegible] है। उपरोक्त प्रावधान को मद्देनजर रखते हुए अप्रार्थी अभियुक्त [illegible] किया जाना उचित है ।

Signature Not Verified
Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

अप्रार्थी अभियुक्त द्वारा खाद्य सुरक्षा और [illegible] अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 और विनियम 2011 की धारा 26 की उपधारा 2(ii) का उल्लंघन करने एवं अपराध कारित होने के फलस्वरूप उक्त अधिनियम की धारा 51 के अन्तर्गत अप्रार्थी के वहां दिनांक 23.12.2024 को

उपलब्ध कुल माल 10 पैकेट की कुल कीमत 650 रू (प्रत्येक पैकेट की कीमत 60 रू) की दस गुना शास्ति अर्थात (10x64x10)=6500/रू अक्षरे छह हजार पॉच सौ रू अप्रार्थी अभियुक्त पर आरोपित की जाती है । अभियुक्त उपरोक्त शास्ति की राशि न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़ के नाम जरिये डी0डी0 अथवा नगद न्यायालय में अथवा जरिये चालान से राजकोष में निर्णय दिनांक 07.10.2025 से एक माह के अन्दर अन्दर जमा कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें ।

निर्णय आज दिनांक 07.10.2025 को लिखाया जाकर सरे न्यायालय सुनाया गया ।

(विजयेश कुमार पण्ड्या)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़

दिनांक 07.10.2025

क्रमांक/रीडर/2025/

प्रतिलिपि :– निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है ।

1. खाद्य सुरक्षा आयुक्त एवं निदेशक, (जन स्वास्थ्य) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, जयपुर ।
2. अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्रतापगढ़ ।
3. अप्रार्थी अभियुक्त श्री लक्षित जैन पुत्र श्री नेमीचन्द, मैसर्स मुकेश कुमार चिमनलाल नया बोरिया

(विजयेश कुमार पण्ड्या)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़

Signature Not Verified

Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़ (राज.)

परिवाद संख्या 65/2025
तारीख दायर 03.10.2025
पीठासीन अधिकारी:–विजयेश कुमार पण्ड्या, आरएएस

श्री सरकार जरिये खाद्य सुरक्षा अधिकारी
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,प्रतापगढ़

–प्रार्थी

बनाम

श्री राजेन्द्र पालीवाल पुत्र श्री बाबुलाल, मैसर्स राधिका इन्टरप्राईजेज कृषि मण्डी रोड गोपालगंज प्रतापगढ़

– अप्रार्थी

:–आदेश–:

दिनांक 25/03/2026

शासन उपसचिव कार्मिक विभाग राजस्थान सरकार द्वारा जारी अधिसूचना कमांक प1 (2)कार्मिक/क–4/08 दिनांक 05.04.2012 के द्वारा खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 की धारा 68 की उपधारा 1 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिलों मे कार्यरत अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेटों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत उनके अधीनस्थ कार्यक्षेत्र के लिए न्याय निर्णयन अधिकारी नियुक्त किए जाने के फलस्वरूप खाद्य सुरक्षा अधिकारी कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रतापगढ़ ने अप्रार्थीगण के विरूद्ध एक परिवाद इस आशय का प्रस्तुत किया कि अप्रार्थी ने सब स्टेण्डर्ड गाय घी (भूमी) का विक्रय करके खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उपधारा 2(।।) का उल्लंघन किया है। जिसके फलस्वरूप खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 51 में निर्धारित है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने परिवाद के साथ न्याय निर्णय आवेदन, गजट नोटीफिकेशन की प्रति, कार्यक्षेत्र नोटीफिकेशन की प्रति, माल खरीद की प्रति, बिल असल, फार्म नं. 5 ए असल, फर्द रिपोर्ट असल, खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाड़ा द्वारा फार्म नं. 6 की प्राप्ति रसीद एवं नमूना मय फार्म नं0 6 की प्राप्ति रसीद, अभिहित अधिकारी द्वारा खाद्य नमूना के तीनों भागों की फार्म नं0 6 की पुश्त पर प्राप्ति [illegible] खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाड़ा की नमूना जॉच रिपोर्ट [illegible] कार्यालय पत्र [illegible] अभिहित अधिकारी द्वारा पत्रावली पेश करने तथा आवेदन फाईल करने [illegible] प्रस्तुत की गई।

Signature Not Verified
Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

न्यायालय हाजा में प्रस्तुत परिवाद के अनुसार दिनांक 06.08.2025 को 3.00 पी.एम. पर [illegible] खाद्य सुरक्षा अधिकारी, मै0 राधिका इन्टरप्राईजेज कृषि मण्डी रोड प्रतापगढ़ पहुंचा। वहां [illegible] गाय [illegible] घी (भूमी) 500 एमएलके 6 पैक पैकेट रखे थे। उस समय मौके पर विक्रेता श्री

न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,प्रतापगढ़

हैसियत से जो व्यक्ति उपस्थित हुआ उसने अपना नाम राजेन्द्र पालीवाल पुत्र श्री बाबुलाल बताया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विक्रेता से खाद्य अनुज्ञापत्र मांगा गया जो विक्रेता के पास मौके पर उपलब्ध था। पैक अवस्था में रखे गाया का घी (भूमी) पर शक होने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विक्रेता को प्रपत्र 5 भरकर दिया गया और बताया गया कि उक्त का एफएसएसए के तहत सेम्पल लिया जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा उक्त गाय का घी (भूमी) पैकेट में से 4 पैक पैकेट वास्ते नमूना जॉच हेतु खरीदा जिसकी कीमत विक्रेता को 1400/–रू नगद देकर रसीद प्राप्त की जिस पर विक्रेता व गवाहान व खाद्य सुरक्षा अधिकारी के हस्ताक्षर है।

यह कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मौके पर फार्म स. 5ए की प्रतियां एवं फर्द रिपोर्ट तैयार कर विक्रेता एवं गवाहान को पढकर, सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने खरीदशुदा 4 सील्ड पैकिट गाय का घी (भूमी) 500 एमएल पर लेबल तैयार कर प्रत्येक पैकिट पर एक–एक कर चिपकाये जिस पर डी.ओ. के कोड कमांक वाई–2525 दर्ज कर प्रत्यैक लेबल पर अन्य विवरण अंकित कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ,गवाह एवं विक्रेता के हस्ताक्षर कराते हुए प्रत्येक नमूना डिब्बो पर लेबल चिपकाने सम्बन्धी कार्यवाही करने के बाद प्रत्येक डिब्बों को अलग अलग खाकी कागज में लपेट कर सिरों को गोंद से चिपकाया गया। चारो नमूना जारों पर डी.ओ. के कोड कमांक वाई–2525 दर्ज कर प्रत्यैक लेबल पर अन्य विवरण अंकित कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं गवाह ने हस्ताक्षर किये , विकेता ने पेपर स्लिप व खाकी कागज कॉस करते हुए अपने हस्ताक्षर किये । नियमानुसार नमूना लेकर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने लिये गये चारों नमूनों को अपने जाप्ते में लिया ।

कार्यालय पहुँच कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने फार्म नं. 6 की प्रतियां तैयार की तथा प्रत्येक पर वह नमूना सिल लगाई जिससे नमूना सिल की थी। एक नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की प्रति के आउटर कवर में सील्डबन्द कर सील्ड मोहर कर खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला बांसवाडा को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। दो फार्म सं.6 की प्रति अलग से एक लिफाफे में बन्द कर चपडी से सील्ड मोहर कर खाद्य विश्लेषक बांसवाडा को जमा कराकर फार्म सं. [illegible] पर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है [illegible] सील्ड बन्द [illegible] भाग मय फार्म सं 6 की दो प्रतियां के आउटर कवर में सील्ड बन्द [illegible] तथा [illegible] चौथा भाग अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला प्रतापगढ़ को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है।

न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,प्रतापगढ

Signature Not Verified
Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

यह कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पत्र द्वारा ज्ञात हुआ कि खाद्य विश्लेषक बांसवाड़ा से प्राप्त जांच रिपोर्ट अनुसार विक्रेता द्वारा वास्ते नमूना जाँच विक्रय किया गया खाद्य पदार्थ गाय का घी (भूमी) सब स्टेण्डर्ड होना पाया गया। उक्त क्रम में फर्म के मालिक को फर्म सम्बन्धित कागजात की छायाप्रति प्रस्तुत करने हेतु खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सूचना दी गई। फर्म के मालिक द्वारा लायसेंस की छाया प्रति प्रस्तुत की।

अभिहित अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्रतापगढ़ द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी को प्रकरण तैयार कर अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु प्राधिकृत किया गया । इस आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने समुचित कार्यवाही किये जाने का परिवाद प्रस्तुत किया ।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण प्रस्तुत करने पर , प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी श्री कपिल डागरिया को अपना पक्ष स्वयं अथवा उनके प्रतिनिधि के द्वारा प्रस्तुत करने हेतु विधिवत सूचना पत्र जारी किया गया । अप्रार्थी अभियुक्त उपस्थित एवं प्रकरण में जवाब देने से मना किया।

परिवाद में वर्णित तथ्यों एवं खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला बांसवाड़ा से प्राप्त जांच रिपोर्ट संख्या पीएचले /बांस/एक्ट/2025/1070 दिनांक 18.08.2025 के अनुसार अप्रार्थी अभियुक्त द्वारा अपनी दुकान से बेचा जा रहा गाय का घी का नमूना जांच रिपोर्ट में सब स्टेण्डर्ड होना पाया गया है।

अतः खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 की धारा 26 की उपधारा 2(ii) का उल्लंघन करने एवं अपराध कारित होने के फलस्वरूप उक्त अधिनियम की धारा 51 के अन्तर्गत अप्रार्थी पर 31500 रू अक्षरे इकतीस हजार पाँच सौ रू शास्ति आरोपित की जाती है । अभियुक्त उपरोक्त शास्ति की राशि न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट प्रतापगढ़ के नाम जरिये डी0डी0/नगद [illegible] राजकोष में निर्णय दिनांक 25.03.2026 से एक माह के अन्दर [illegible] करे ।
निर्णय आज दिनांक 25.03.2026 को लिखाया जाकर [illegible] इजलास सुनाया गया ।

Signature Not Verified
Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested

(विजयेश [illegible]) न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट , प्रतापगढ़

क्रमांक / रीडर / 2026 / प्रक. 65/25 दिनांक 25.03.2026

प्रतिलिपि :- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है ।

1. खाद्य सुरक्षा आयुक्त एवं निदेशक, (जन स्वास्थ्य) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं ,जयपुर ।
2. अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्रतापगढ़ ।
3. श्री राजेन्द्र पालीवाल पुत्र श्री बाबुलाल, मैसर्स राधिका इन्टरप्राईजेज कृषि मण्डी रोड गोपालगंज प्रतापगढ़

25/03/26

(विजयेश कुमार पण्ड्या)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट , प्रतापगढ़

खाद्य निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़

न्याय निर्णायक अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट प्रतापगढ़ (राज.)
सत्यमेव जयते

Signature Not Verified

Digitally signed by Vijayesh Kumar Pandya
Date: 2026.05.20 10:36:34 IST
Reason: SelfAttested